



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से काशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 94]

नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 27, 1976/फाल्गुन 8, 1897

No. 94]

NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 27, 1976/PHALGUNA 8, 1897

इस भाग में भिन्न पन्थ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

### NOTIFICATION

*New Delhi, the 27th February 1976*

**S.O. 143(E).**—In exercise of the powers conferred by section 114 of the Gold (Control) Act, 1968 (45 of 1968) the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Gold Control (Forms, Fees and Miscellaneous Matters) Rules, 1968, namely:—

1. These rules may be called Gold Control (Forms, Fees and Miscellaneous Matters) Amendment Rules, 1976.

2. In rule 13 of the Gold Control (Forms, Fees and Miscellaneous Matters) Rules, 1968, in sub-rule (1), after the words “in relation to such gold”, the following shall be inserted, namely:—

“and in a case where the transaction relates to sale, delivery, transfer or disposal of gold, such voucher shall accompany the gold”

[No. 1/76/F. No. 131/6/75-GC.II]

M. G. ABROL, Addl. Secy.

## वित्त मंत्रालय

(राजस्व और बीमा विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 फरवरी, 1976

फा० आ० 143 (अ).—केन्द्रीय सरकार, स्वर्ण (नियंत्रण) अधिनियम, 1968 (1968 का 45) की धारा 114 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, स्वर्ण नियंत्रण (प्ररूप फीस और प्रकीर्ण विषय) नियम, 1968 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. इन नियमों का नाम स्वर्ण नियंत्रण (प्ररूप, फीस और प्रकीर्ण विषय) संशोधन नियम, 1976 है।

2. स्वर्ण नियंत्रण (प्ररूप, फीस और प्रकीर्ण विषय) नियम, 1968 के नियम 13 में, उपनियम (1) में, “एक वाउचर देगा,” शब्दों के पश्चात् निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“और ऐसे मामले में, जहाँ संव्यवहार स्वर्ण के बिक्रय परिधान, अन्तरण या व्ययन से सम्बन्धित हो, ऐसा वाउचर उस स्वर्ण के साथ होगा।”

[सं० 1/76/फा० सं० 131/6/75—जी सी]

एम० जी० अग्रोस, अपर सचिव।